VISION IAS

3 0 DEC 2020

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1417)

Name of Candidate	Girdhari lal Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	330810
Center	MN, DELHI	Date	24/12/2020

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Dadabhai Naoroji left an indelible imprint on the national movement. Explain. (150 words) 10

दादाभाई नौरोजी ने राष्ट्रीय आंदोलन पर एक अमिट छाप छोड़ी। स्पष्ट कीजिए।

दादाभाई नौरोजी कांग्रेस के उदारवादी गुट के नेता थे जिन्होंने राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र में राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा प्रदान की थी।

राजनीतिक

① ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन की स्थापना लंदन में की तथा ब्रिटिश जनमत को प्रभावित करने का कार्य किया।

② दादा भाई द्वारा कांग्रेस की स्थापना में सहयोग दिया वे कांग्रेस अधिवेशनों के अध्यक्ष भी बने।

③ सिविल सेवा के भारतीय की मांग, अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया जैसे कार्यों के माध्यम से प्रशासनिक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

आर्थिक

① इनके द्वारा धन की निकासी का सिद्धांत दिया और बताया कि भारतीय धन का उपयोग ब्रिटिश औद्योगिक विकास के लिए किया जा रहा है। इससे भारत में गरीबी, दस्तशिल्पों का पतन व अकाल की समस्या सामने आ रही हैं।

② 1867-68 में राष्ट्रीय आय के आकलन का प्रयास किया गया।

③ दादाभाई द्वारा आयात व परिवहन शुल्क की भेदभावपूर्ण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दरों तथा अधिक प्रशासनिक खर्च की आलोचना की।
④ इस तरह ब्रिटिश नीतियों की आलोचना कर प्रारम्भिक भारतीय राष्ट्रवाद को आर्थिक स्वरूप प्रदान किया।

सामाजिक

① रहनुमाई मज़्दयान नामक संगठन की स्थापना की तथा पारसी धर्म में सुधार का कार्य किया।
② साथ ही दादाभाई द्वारा महिला शिक्षा, महिला स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक पद्धति के विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

इस तरह दादाभाई नौरोजी ने भारतीय राष्ट्रवाद पर सामाजिक आर्थिक व राजनीतिक क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The Quit India movement marked a new direction in the struggle against the British colonial rule in India. Analyse. **(150 words) 10**

भारत छोड़ो आंदोलन ने भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरूद्ध संघर्ष में एक नई दिशा को चिन्हित किया। विश्लेषण कीजिए।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन क्रमिक विकास के दौर से गुजरा, जिसने 1942 में आकर संघर्ष व लक्ष्य की दृष्टि से नई दिशा को प्राप्त किया।

ब्रिटिश औपनिवेशिक शोषणकारी नीतियों, विश्व युद्ध के कारण आर्थिक बाधाओं तथा अगस्त प्रस्ताव व क्रिप्स प्रस्ताव की विफलता के पश्चात भारत छोड़ो आंदोलन सामने आया।

नई दिशा

① गाँधीजी द्वारा करो व मरो का नारा दिया तथा स्वतंत्रता प्राप्ति तक संघर्ष करने की बात कही। गाँधीजी द्वारा हिंसा की आलोचना भी नहीं की गई। इस तरह गाँधीजी यहाँ नए तेवर में थे।

② साथ ही कार्यक्रम की दृष्टि से भी यह नवीन था। अब विद्यालयों, न्यायालयों, सेना में रहकर ही सरकारी नियमों के उल्लंघन की बात कही गई।

③ साथ ही भारत छोड़ो आंदोलन कुछ मात्रा में स्वतः स्फूर्त भी दिखाई देता है जहाँ द्वितीय पंक्ति के नेताओं द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया।

④ भारत छोड़ो आंदोलन में संघर्ष के नवीन साधनों यथा- कर्नाटक पद्धति (किसानों द्वारा हिंसा), गुप्त रेडियों का संचालन, का प्रयोग किया गया।

⑤ इस आंदोलन के कारण ब्रिटिश सरकार भी बाह्य दबाव के कारण अवस्था में सुधार के लिए प्रयासरत हुई। वेवेल योजना व कैबिनेट मिशन प्लान के माध्यम से यह कार्य किया गया।

⑥ राष्ट्रीय आंदोलन का सामाजिक आधार व्यापक हुआ तथा कृषकों, छात्रों सैनिकों महिलाओं के साथ-साथ अन्य वर्गों द्वारा भी भागीदारी की।

⑦ साथ ही इस आंदोलन के कारण रॉयल नेवी आंदोलन (फरवरी, 1946) तथा आजाद हिंद फौज मुकदमे में जन समर्थन का सैलाब आ गया।

इस तरह भारत छोड़ो आंदोलन ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के लक्ष्य को प्रमुखता से रखा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The end of World War II marked the birth of a new international order. Examine. (150 words) 10

द्वितीय विश्व युद्ध के अंत ने एक नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को जन्म दिया। परीक्षण कीजिए।

पेरिस शांति सम्मेलन की विफलता, वैश्विक आर्थिक मंदी तथा साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्द्धा के कारण द्वितीय विश्व युद्ध सामने आया, जिसने विश्व व्यवस्था को बदल दिया।

परिवर्तन

① अब विश्व में यूरोपीय प्रभुत्व कम हो गया क्योंकि दो विश्व युद्धों तथा आंतरिक संघर्षों के कारण यूरोप आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से कमजोर हुआ।

② नाटो के कारण अमेरिका का प्रभुत्व बढ़ा तथा मार्शल योजना (1948) तथा ट्रूमैन (1947) प्लान के आधार पर अमेरिका विश्व शक्ति का केन्द्र बन गया।

③ द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ सामने आया जिसने राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक विकास का कार्य किया।

④ यूरोपीय देशों के कमजोर होने तथा बाह्य दबाव के कारण उपनिवेशवाद कमजोर हुआ तथा कई राष्ट्र स्वतंत्र हो गये। भारत (1947), श्रीलंका व बर्मा (1948), अफ्रीका के देश (1960 में अधिक) स्वतंत्र हुए।

⑤ साथ ही वैचारिक भिन्नता व द्वितीय विश्व

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

युद्ध के अनुभवों के कारण अमेरिका व रूस के मध्य शीत युद्ध सामने आया। इस कारण शस्त्रीकरण को बढ़ावा मिला तथा उष्ण शांति के वातावरण का निर्माण हुआ।

ⓒ द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात चीन में साम्यवादी क्रांति हुई। इस कारण नई विश्व व्यवस्था का निर्माण हुआ।

ⓖ साथ ही शीत युद्ध के शोषण से बचने के लिए गुटनिरपेक्ष आंदोलन भी सामने आया तथा इसके द्वारा गुटीय राजनीति के बजाय स्वतंत्र विदेश नीति पर बल दिया।

इस तरह द्वितीय विश्व युद्ध ने पुरानी शक्तियों को पीछे कर दिया तो नवीन शक्तियों को आगे लाया। स्वतंत्रता की प्राप्ति, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, नव उपनिवेशवाद व शीत युद्ध के कारण विश्व व्यवस्था को नवीन दिशा प्राप्त हुई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The Simla Agreement (1972) and Lahore Declaration (1999) are two key milestones in the history of the Indian subcontinent. Discuss.

(150 words) 10

शिमला समझौता (1972) और लाहौर घोषणा-पत्र (1999) भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। चर्चा कीजिए।

भारत व पाकिस्तान के बीच ~~युद्ध~~ संघर्ष के पश्चात संबंधों की बहाली के लिए विभिन्न समझौते किये गये जिनके द्वारा विश्व व्यवस्था को प्रभावित किया।

<u>शिमला समझौता (1972)</u>

बांग्लादेश युद्ध (1971) के पश्चात शिमला समझौता सामने आया

① एक दूसरे का सम्मान तथा शांतिपूर्ण सह अस्तित्व।

② आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं।

③ दोनों देशों के बीच के विवादों का समाधान शांति व परस्पर वार्ता के माध्यम से किया जाना चाहिए।

④ साथ ही <u>कश्मीर दोनों पक्षों</u> के बीच का मुद्दा है तथा इस मामले में किसी तीसरे पक्ष को शामिल नहीं किया जायेगा।

लाहौर घोषणा पत्र (1999)

① परमाणु शस्त्रों को युद्ध के साधन के बजाय शक्ति संतुलन स्थापित करने वाले साधन के रूप में मान्यता।

② निःशस्त्रीकरण ~~[illegible]~~ को बढ़ावा तथा शस्त्रों के विकास पर बल।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में पूर्ण विश्वास।
④ संघर्ष के बजाय परस्पर वार्ता व शांति के माध्यम से विवादों का समाधान।
⑤ आतंकवाद व चरमपंथ के विरुद्ध एक दूसरे का सहयोग

समीक्षा

① सैद्धांतिक तौर पर इनके द्वारा भारतीय उपमहाद्वीप में शक्ति संतुलन स्थापित किया।
② संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में विश्वास प्रकट कर पंचशील की भावना को जाग्रत किया गया।
③ यद्यपि व्यवहार में भारत व पाक के संबंध तनावपूर्ण बने रहे तथा इनके कारण सार्क भी ढंग से कार्य नहीं कर पा रहा हैं।

भारत व पाक के साथ-साथ भारतीय उपमहाद्वीप के शक्ति संतुलन को स्थापित करने में शिमला व लाहौर समझौते की प्रमुख भूमिका हैं। दक्षिण एशियाई विकास के लिए इनका पालन किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Social security should not only involve economic empowerment but also social empowerment. Discuss in the context of India. (150 words) 10
सामाजिक सुरक्षा में न केवल आर्थिक सशक्तीकरण अपितु सामाजिक सशक्तीकरण भी सम्मिलित होना चाहिए। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

सामाजिक सुरक्षा का तात्पर्य हैं कि व्यक्ति को भविष्य की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करने के लिए आर्थिक व सामाजिक सहयोग प्रदान करना। (श्रम मंत्रालय)

सामान्यतः सामाजिक सुरक्षा में बीमा, कम्पनी का अंशदान, उचित ग्रेच्युटी को ही शामिल किया जाता हैं जबकि सामाजिक सुरक्षा इससे भी आगे विस्तारित हैं।

① सामाजिक सुरक्षा में आर्थिक सशक्तिकरण आवश्यक हैं क्योंकि इससे भविष्य में आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध होते हैं।
② सामाजिक सुरक्षा के कारण आकस्मिक संकटों का सामना प्रमुखता से किया जा सकता हैं।

सामाजिक सशक्तीकरण

① सामाजिक सुरक्षा में सामाजिक सशक्तिकरण भी शामिल हो ताकि आर्थिक सशक्तिकरण को पूरकता प्रदान की जा सके।
② भारत के संदर्भ में सामाजिक सशक्तिकरण से महिला, SC/ST वर्गों का भी समता विकास होगा।
③ सामाजिक सशक्तिकरण से समतामूलक समाज का निर्माण होगा तथा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त

किया जा सकेगा।

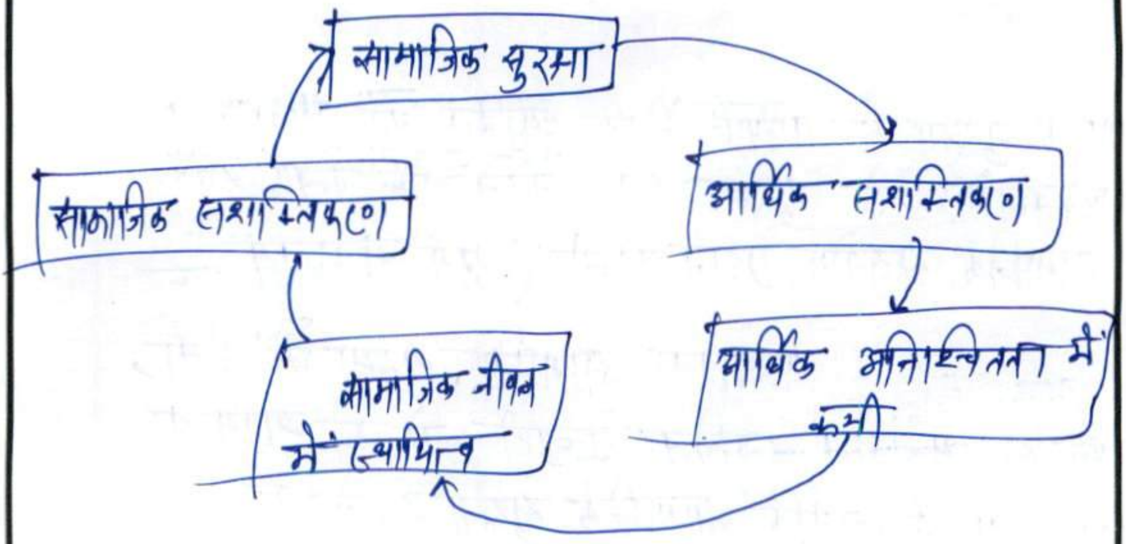

इसके लिए सुभेद्य वर्गों की सुरक्षा का प्रावधान किया जाना चाहिए तथा समान सुधार के माध्यम से सामाजिक शोषण पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। सामाजिक सशक्तिकरण से पीढ़ी-दर-पीढ़ी जारी शोषण की मानसिकता में कमी आयेगी।

सामाजिक सुरक्षा को आर्थिक पक्ष के साथ-साथ सामाजिक ~~शक्ति~~ सशक्तीकरण पर भी बल देना चाहिए ताकि व्यक्ति व समाज का सर्वांगीण विकास हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Explain with examples how globalisation is manifested in both local in the global and the global in the local. (150 words) 10

उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए कि वैश्वीकरण वैश्विक में स्थानीय और स्थानीय में वैश्विक, दोनों में किस प्रकार प्रकट होता है।

वैश्वीकरण विचारों, व्यक्तियों, पूँजी व अन्य साधनों के अबाध संचरण की प्रक्रिया है जो बहुआयामी स्वरूप से युक्त है। वर्तमान में वैश्वीकरण कई परिवर्तनों से गुजर रहा है, इस कारण वैश्वीकरण की संरचना व दिशा भी परिवर्तित हो रही है।

वैश्विक में स्थानीय

① आजकल सांस्कृतिक एकता के कारण रहन-सहन खान-पान व अन्य पद्धतियों में क्षेत्रीय तत्वों की भागीदारी बढ़ रही है।

② KFC द्वारा भारतीय परिवेश के हिसाब से उत्पादों का विक्रय किया जाता है तथा नवरात्रों के समय कई खाद्य निर्माताओं द्वारा खान-पान की आदतों में परिवर्तन किया जाता है।

③ साथ ही भारतीय योग संस्कृति व त्यौहार भी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हो रहे हैं।

स्थानीय में वैश्विक

① वैश्वीकरण विचार से लेकर संवाद की प्रक्रिया में शामिल है। इसी कारण भारतीय संस्कृति भी नवीन परिवर्तनों से गुजर रही है।

② भांगड़ा पोप का प्रचलन स्थानीय में वैश्विक

तत्वों की भागीदारी को बताता है।
③ खान-पान की आदतों में वैश्विकरण का प्रभाव देखा जा सकता है।
④ साथ ही चित्रकला, मूर्तिकला में भी वैश्विक प्रभावों के कारण प्राचीन व मध्यकाल में कई परिवर्तन देखे गए हैं।
⑤ वैश्वीकरण से व्यक्ति व समाज प्रभावित होता है तो समाज व व्यक्ति, वैश्वीकरण को प्रभावित भी करता है। यह प्रक्रिया निरंतर जारी है।

इस तरह वैश्वीकरण स्थानीय में वैश्विक तथा वैश्विक में स्थानीय, दोनों रूपों में प्रकट होता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. In light of persistence of various forms of violence against women in India, discuss the ways in which the issue can be addressed effectively.

(150 words) 10

भारत में महिलाओं के विरूद्ध हिंसा के विभिन्न रूपों की विद्यमानता के आलोक में, उन उपायों की विवेचना कीजिए जिनसे इस मुद्दे का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सकता है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के अनुसार भारत में महिलाओं के साथ सामाजिक आर्थिक व राजनीतिक/सांस्कृतिक जीवन में, विभिन्न तरीकों से हिंसा की जाती है।

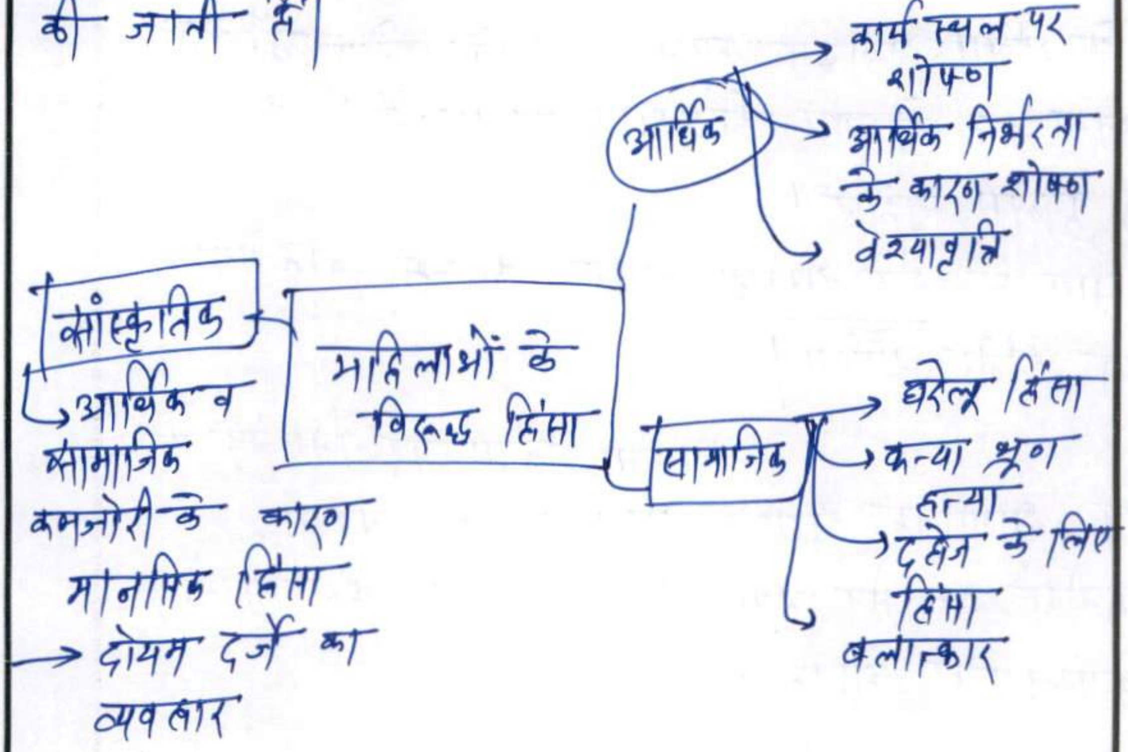

उपाय

① सर्वप्रमुख रूप से वर्तमान कानूनों यथा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम 2013, विशाखा दिशा-निर्देश, PCPNDT अधिनियम तथा घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 को कठोर रूप से लागू करना।

② साथ ही तकनीक के प्रयोग, फास्ट ट्रैक कोर्ट के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

माध्यम से न्याय की प्रक्रिया को तीव्र किया जाना चाहिए।

③ जागरूकता अभियानों के माध्यम से पितृसत्तात्मक मानसिकता पर प्रहार तथा सामाजिक अभिवृत्ति परिवर्तन का कार्य करना।

④ महिलाओं को शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए सशक्त करना। इसके लिए कौशल विकास व रोजगार की आवश्यकता है।

⑤ पुलिस सुधार।

⑥ साथ ही गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

महिला हिंसा पर नियंत्रण के लिए सामाजिक सुधार, महिला सशक्तिकरण, तकनीकी हस्तक्षेप तथा कानूनों का कठोरता से क्रियान्वयन आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What is an urban forest? Highlight its benefits and steps taken by the government to promote urban forestry in India. **(150 words) 10**

शहरी वन क्या हैं? इनके लाभों और भारत में शहरी वानिकी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।

शहरी वन शहरों में जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण तथा शहरों में संसाधन उपलब्धता के लिए लगाये वन होते हैं।

लाभ

(A) **पर्यावरणीय**
- जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण
- अर्बन हीट द्वीप की प्रवृत्ति पर नियंत्रण
- मृदा अपरदन पर नियंत्रण तथा बाढ़ नियंत्रण/
- जैव विविधता को बढ़ावा/

(B) **आर्थिक**
- खाद्य पदार्थों की उपलब्धता/
- विनिर्माण क्षेत्र के लिए लाभदायक/
- वनों से कई अन्य संसाधनों की प्राप्ति

(C) **स्वास्थ्य**
- मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव/
- स्वच्छ वायु की प्राप्ति
- जीवन शैली से संबंधित रोगों पर नियंत्रण/

सरकारी प्रयास

① सरकार स्वतंत्रता पश्चात से ही शहरी वनों के संरक्षण व विकास के लिए कार्य कर रही है/

② पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986), वन्य जीव संरक्षण अधिनियम (1972) में शहरी वानिकी का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रावधान हैं।

③ जैव विविधता अधिनियम (2002) के माध्यम से स्थानीय जैव विविधता समितियों का निर्माण कर, वन संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है।

④ साथ ही सार्वजनिक वानिकी (पुणे) व सामुदायिक वानिकी भी शहरी वनों के विकास पर बल देती है।

⑤ पर्यावरण मंत्रालय द्वारा शहरी वन योजना का शुभारम्भ किया है जो शहरी क्षेत्रों में वनीकरण को बढ़ावा देगी।

⑥ साथ ही कैम्पा फंड व राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा भी शहरी वन (मुम्बई में मेट्रो शेड निर्माण) संरक्षण का प्रयास किया जा रहा है।

शहरी वन सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय लाभों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन व इससे सम्बद्ध समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक हैं।

9. How has globalization impacted the location of the IT industry?

(150 words) 10

वैश्वीकरण ने IT उद्योग की अवस्थिति को किस प्रकार प्रभावित किया है?

वैश्वीकरण विचार, उत्पाद व प्रक्रियाओं के संचरण की प्रक्रिया हैं तथा इसके द्वारा सांस्कृतिक व सामाजिक जीवन के साथ-साथ उद्योगों की अवस्थिति को भी प्रभावित किया हैं।

वैश्वीकरण व IT उद्योग

① वैश्वीकरण के कारण शहरों की जीवन शैली में परिवर्तन हुआ हैं। इस कारण गुरुग्राम व बैंगलुरु में IT उद्योग को बढ़ावा मिला हैं।

② सस्ते व कुशल कार्य बल के कारण IT उद्योग भारत में अधिक विकसित हुआ हैं तथा विकसित देशों द्वारा कार्य को आउटसोर्स किया जा रहा हैं।

③ साथ ही वियतनाम में तकनीकी शिक्षा के कारण IT उद्योग का विकास हो रहा हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ विश्व स्तर पर WTO, WIPO द्वारा भी विश्व IT उद्योग की अवस्थिति को प्रभावित किया जा रहा है।

⑤ साथ ही किसी देश द्वारा IT क्षेत्र में अग्रसक्रिय नीति निर्माण से भी IT उद्योग का विकास होता है। भारत में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

⑥ साथ ही परिवहन की सुगमता के कारण भी तटीय क्षेत्रों में IT उद्योग (विनिर्माण) का विकास हुआ है।

इस तरह विश्व में IT उद्योग के विकास में वैश्वीकरण के साथ-साथ घरेलू नीतियों व स्थितियों का भी प्रभाव है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. How can eco-tourism be used to sustainably harness the potential of tourism industry in India? Discuss the challenges and steps taken by the government in this context. **(150 words) 10**

भारत में पर्यटन उद्योग की क्षमता का संधारणीय रूप से दोहन करने हेतु पारिस्थितिकीय पर्यटन का कैसे उपयोग किया जा सकता है? इससे जुड़ी चुनौतियों और इस संदर्भ में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिए।

इको टूरिज्म का तात्पर्य है कि पर्यावरण व इससे सम्बद्ध पक्षों का पर्यटन व कुछ नया सीखने के दृष्टिकोण से विकास करना।

भारत व पर्यटन उद्योग की क्षमता →
- विशाल जैव विविधता
- ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर
- सरकारी प्रयास
- पर्यटन को विकास का मुख्य कारण मानना।
- भारतीय विविधताओं के कारण विशाल सम्भावना।

इको टूरिज्म व भारत की क्षमता

(1) इको टूरिज्म से जैव विविधता हॉटस्पॉट क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है।
(2) कृषि पर्यटन, वन पर्यटन।
(3) इको टूरिज्म से पर्यटन के नये क्षेत्र का विकास होगा जिसके लिए ज्यादा निवेश की आवश्यकता नहीं।
(4) इको टूरिज्म से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ-साथ स्थानीय लोगों का भी विकास होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ
- क्षमता की पूर्ण जानकारी नहीं
- अवसंरचना विकास नहीं
- पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव
- प्रदूषण व जलवायु परिवर्तन
- स्थानीय समुदाय पर नकारात्मक प्रभाव
- एकीकृत नीति व जागरूकता का अभाव।

सरकारी प्रयास
- स्वदेश दर्शन योजना के तहत इको सार्किट, उत्तर-पूर्वी सर्किट, पश्चिमी घाट सर्किट, रेगिस्तान ~~सर्किट~~ सर्किट का निर्माण किया गया
- साथ ही सरकार द्वारा पर्यटन नीति में भी इको टूरिज्म की बात ~~की~~ कही हैं।
- केरल, गुजरात, राजस्थान व हिमाचल द्वारा इको टूरिज्म पर विशेष बल दिया हैं।

इको टूरिज्म सतत विकास का नया आयाम बन सकता हैं। इसके लिए समावेशी नीति निर्माण, अवसंरचना विकास तथा पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The advent of Buddhism and Jainism was instrumental in the development of architecture in ancient India. Discuss. **(250 words) 15**

प्राचीन भारत में स्थापत्य कला के विकास में बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उद्भव सहायक रहा। चर्चा कीजिए।

प्राचीन भारतीय कला, धर्म, विकास व अन्य तत्वों की दृष्टि से समावेशी थी जिसमें बौद्ध व जैन धर्म द्वारा विशिष्ट योगदान किया गया।

स्थापत्य कला
→ स्तूप
→ चैत्य विहार
→ गुफा कला
→ अन्य पक्ष → मूर्तिकला

नवीन धर्मों के उदय के कारण कला का विकास हुआ जो पहले ब्राह्मण धर्म से सम्बन्धित थी।

~~ब्राह्मण धर्म~~

बौद्ध धर्म

① बौद्ध धर्म के द्वारा जनजातीय कला से प्रेरणा ग्रहण कर स्तूपों का विकास किया गया। साँची, भरहुत, अमरावती व धमेख स्तूप प्रमुख स्तूप हैं। इनके द्वारा चित्रकला व मूर्तिकला के विकास का भी कार्य किया गया।

② चैत्य व विहार भी स्थापत्य कला की उत्कृष्ट रचनायें हैं। अजंता व एलोरा के साथ साथ नासिक व कन्हेरी में गुफा कला का विकास हुआ है साथ ही कार्ले, भाजा में चैत्य व विहारों का विकास हुआ है।

अजंता के तहत गुफा संख्या 16 में मरणासन्न राजकुमारी का चित्रण किया गया तो गुफा संख्या 17, बुद्ध के जीवन से संबंधित हैं। जिसे चित्रशाला भी कहा जाता हैं।

(3) बौद्ध धर्म के प्रभाव से मूर्तिकला को भी बढ़ावा मिला। गांधार, मथुरा व अमरावती मूर्तिकला शैली में महात्मा बुद्ध का वास्तविक व आदर्शवादी चित्रण के साथ-साथ अलंकृत चित्रण भी किया गया।

(4) इस तरह बौद्ध धर्म द्वारा वस्त्र चित्रण, पट्टचित्र व भित्ति चित्र को बढ़ावा दिया।

जैन धर्म

(1) उदयगिरी व खण्डगिरी में गुफा स्थापत्य।

(2) श्रवणबेलगोला में जैन धर्म की मूर्तिकला का विकास।

(3) जैन धर्म के प्रभाव से भारत में राणकपुर के जैन मंदिर (आबू) तथा वल्लभी में जैन कला का विकास हुआ हैं।

(4) साथ ही जैन धर्म के प्रभाव से स्तूप, चैत्य विहार व मंदिर निर्माण (पारसनाथ मंदिर, खजुराहो) को बढ़ावा मिला हैं।

(5) नवीन धर्मों के उदय से नवीन संरक्षक वर्ग का उदय हुआ। इस कारण विकेन्द्रिकृत रूप

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से स्थापत्य कला का विकास हुआ।

निष्कर्षतः नवीन धर्मों के उदय से स्थापत्य कला का विकास हुआ तथा ये स्थापत्य स्थल विश्व विरासत स्थल व पर्यटन के स्त्रोत के रूप में भारत के विकास में सहायक हो रहे हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The reactionary policies of Lord Lytton and the liberal policies of his successor Lord Rippon acted as catalyst in the formation of the Indian National Congress. Discuss. **(250 words) 15**

लॉर्ड लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियों और उसके उत्तराधिकारी लॉर्ड रिपन की उदार नीतियों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन में उत्प्रेरक का कार्य किया। चर्चा कीजिए।

कहा जाता है कि भारतीय राष्ट्रवाद भारतीय राष्ट्रवादियों के कार्यों के साथ-साथ विदेशी शासकों की प्रतिक्रियावादी नीतियों का भी परिणाम है।

विदेशी शासकों द्वारा औपनिवेशिक हितों श्वेत नस्ल के भार का सिद्धांत तथा औद्योगिक क्रांति का लाभ लेने के लिए भारत में प्रतिक्रियावादी नीतियों को लागू किया।

लॉर्ड लिटन

① सिविल सेवा में प्रवेश की उम्र वयस्क (अधिकतम) 19 वर्ष कर दी गई।

② वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम के माध्यम से समाचार पत्रों पर नियंत्रण किया गया।

③ अकाल के समय दिल्ली दरबार का आयोजन।

④ शस्त्र अधिनियम।

⑤ भेदभावमूलक व्यापार दरें।

लॉर्ड रिपन

① इल्बर्ट बिल विवाद (1883)

② स्थानीय स्वशासन का अधिकार।

③ विकेन्द्रीकृत शिक्षा व्यवस्था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ वित्तीय संसाधनों का विकेन्द्रीकरण।

इनकी नीतियाँ व INC का गठन

① लॉर्ड लिटन की नीतियों के कारण राष्ट्रवादी चेतना का विकास हुआ।
② दिल्ली दरबार के आयोजन के कारण ब्रिटिश नीतियों की आर्थिक समीक्षा की गई।
③ व्यापारिक भेदभाव के कारण व्यापारिक वर्ग भी असंतुष्ट हुआ।
④ साथ ही रिपन की नीतियों के कारण स्वशासन के अधिकार की महत्ता समझ आयी।
⑤ इल्बर्ट बिल विवाद के कारण रंगभेदी नीतियाँ सामने आयी तथा संघर्ष के लिए राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता महसूस की गई। इसी कारण 28 दिसम्बर 1885 को कांग्रेस का गठन किया गया।

समीक्षा

① कांग्रेस का गठन क्रमिक प्रक्रिया का परिणाम था।
② इण्डियन एसोसिएशन (1876), पूना सार्वजनिक सभा (1867), बंगभाषा एसोसिएशन व ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन जैसे संगठनों के परिणामस्वरूप INC का विकास हुआ।
③ साथ ही 1857 के विद्रोह व कैनिंग की नीतियों ने भी INC के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

④ साथ ही राष्ट्रीय संघर्ष के लिए राष्ट्रीय संगठन आवश्यक था जो सभी वर्गों की इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करें।

⑤ इस आधार पर INC का विकास हुआ तथा राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन को स्वतंत्रता प्राप्ति तक इसके द्वारा नई दिशा व प्रवृत्तियों से युक्त किया गया।

इस तरह INC का गठन एक प्रक्रिया का परिणाम था जिसमें लॉर्ड लिटन व लॉर्ड रिपन की नीतियों द्वारा प्रेरक की भूमिका निभाई गई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Gandhiji changed his methods of struggle against the British from time-to-time to suit the varied circumstances and problems that needed to be tackled. Analyse. **(250 words) 15**

गांधी जी ने विभिन्न परिस्थितियों और समस्याओं जिनसे निपटने की आवश्यकता थी, के अनुकूल समय-समय पर अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष की अपनी विधियों में परिवर्तन किया। विश्लेषण कीजिए।

1919-1948 के युग को गांधी युग कहा जाता है क्योंकि इस दौरान स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गाँधीजी द्वारा नेतृत्व किया गया तथा राष्ट्रीय आंदोलन को नई प्रवृत्तियों से युक्त किया।

गाँधीजी की रणनीति व विचारधारा

- वर्ग समन्वय
- सत्याग्रह व अहिंसा
- साध्य साधन की पवित्रता
- ट्रस्टीशिप
- सामाजिक विचार

- दबाव - समझौता - दबाव की रणनीति
- संघर्ष - विराम - संघर्ष
- नियंत्रित आंदोलन
- रचनात्मक कार्यों पर बल

राष्ट्रीय आंदोलन व गाँधीजी

① गाँधीजी द्वारा जनजागरूकता के लिए सत्याग्रह व भूख हड़ताल का सहारा लिया तथा मजदूर व कृषक आंदोलनों में भागीदारी की गई।

② संघर्ष विराम के समय रचनात्मक कार्यों के माध्यम जनता की शक्ति को जाग्रत किया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तथा राष्ट्रीय आंदोलन के सामाजिक आधार को व्यापक बनाया गया।

③ खिलाफत आंदोलन में वर्ग समन्वय के लिए धर्म का राजनीति में प्रयोग किया गया।

④ सविनय अवज्ञा आँदोलन के समय नमक के मुद्दे को उठाकर स्वाधीनता के उद्देश्य को बताया तो ब्रिटिश दमन से लोगों को बचाया।

⑤ द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय भागीदारी का विरोध करने के लिए व्यक्तिगत सत्याग्रह का सहारा लिया गया।

⑥ संघर्ष - विराम - संघर्ष की राजनीति के तहत कुछ माँगों को मानने पर ही राष्ट्रीय आंदोलन को विराम दिया गया। (गाँधी-इर्विन समझौता व सविनय अवज्ञा आंदोलन)

⑦ साथ ही भारत छोड़ो आंदोलन के समय गाँधीजी नये तेवरों में नज़र आ रहे थे तथा करो या मरो का नारा दिया तथा आंदोलनकारियों द्वारा हिंसा किये जाने पर भी आंदोलन वापस नहीं लिया।

⑧ गाँधीजी द्वारा परिस्थितियों व समस्याओं यथा- साम्प्रदायिकता, कम सामाजिक आधार व ब्रिटिश दबाव, के अनुसार निर्णय लिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑨ गाँधीजी जन भावनाओं के आधार पर कार्य करते थे तथा परिस्थितियों के आधार पर भारत छोड़ो आंदोलन चलाया तो व्यक्तिगत सत्याग्रह का भी सहारा लिया गया।

इस तरह गाँधीजी द्वारा राष्ट्रीय संघर्ष की रणनीति को गतिशील रखा तथा भारत को नैतिक मूल्यों से युक्त स्वतंत्रता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सहायता की।

14. Bring out the relationship between the industrial revolution and the advent of imperialism in different parts of the world. **(250 words) 15**

औद्योगिक क्रांति और विश्व के विभिन्न भागों में साम्राज्यवाद के आरंभ के मध्य संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

साम्राज्यवाद के विकास के कारणों में पुनर्जागरण - प्रबोधन, धार्मिक संघर्ष व उग्र राष्ट्रवाद के साथ - साथ औद्योगिक क्रांति की भी प्रमुख भूमिका थी।

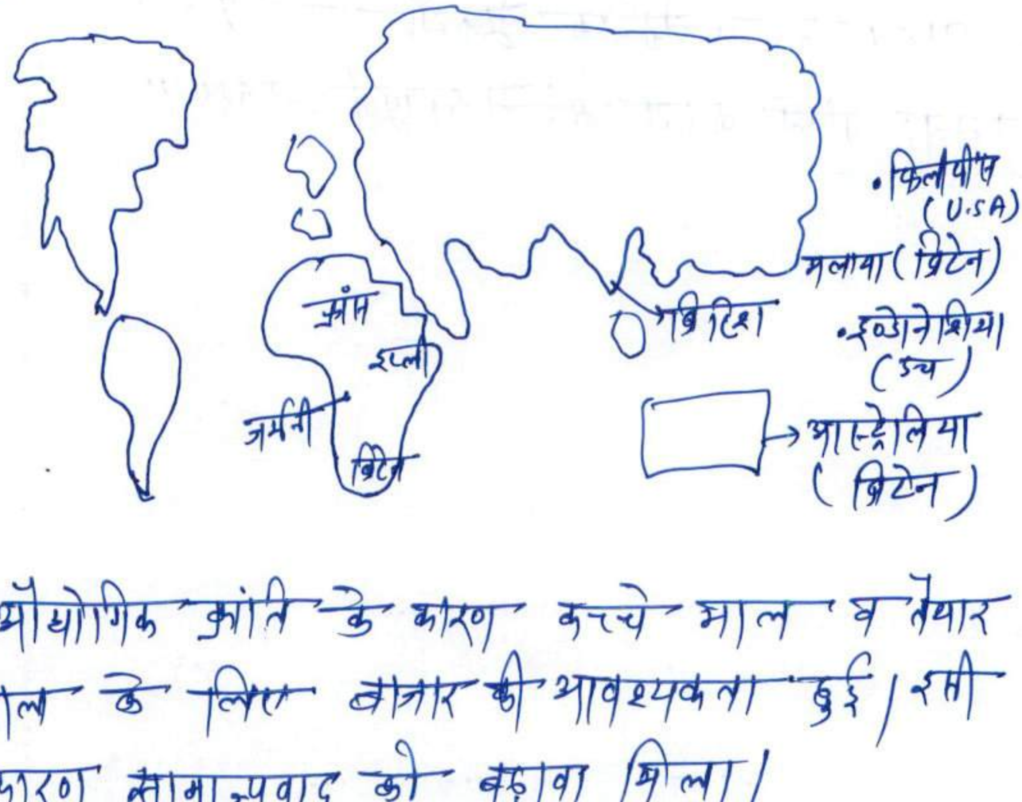

(1) औद्योगिक क्रांति के कारण कच्चे माल व तैयार माल के लिए बाजार की आवश्यकता हुई। इसी कारण साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला।

(2) औद्योगिक क्रांति के कारण ही 1875-1900 के बीच अफ्रीका का शांतिपूर्ण बंटवारा कर लिया गया तथा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया गया।

(3) दक्षिण-पूर्व एशिया में भी डच, फ्रांसीसी व ब्रिटिश शक्ति के द्वारा औद्योगिक क्रांति के

कारण साम्राज्य विस्तार किया गया।

(4) भारत में 1813 के अधिनियम व मुक्त व्यापार की नीति के माध्यम से औद्योगिक क्रांति व साम्राज्यवाद के मध्य संबंधों को समझा जा सकता है।

(5) साम्राज्यवाद के प्रेरक कारणों में आर्थिक कारण प्रमुख थे तथा इसी कारण बाजार व कच्चे माल के लिए विभिन्न नीतियों का निर्माण किया गया।

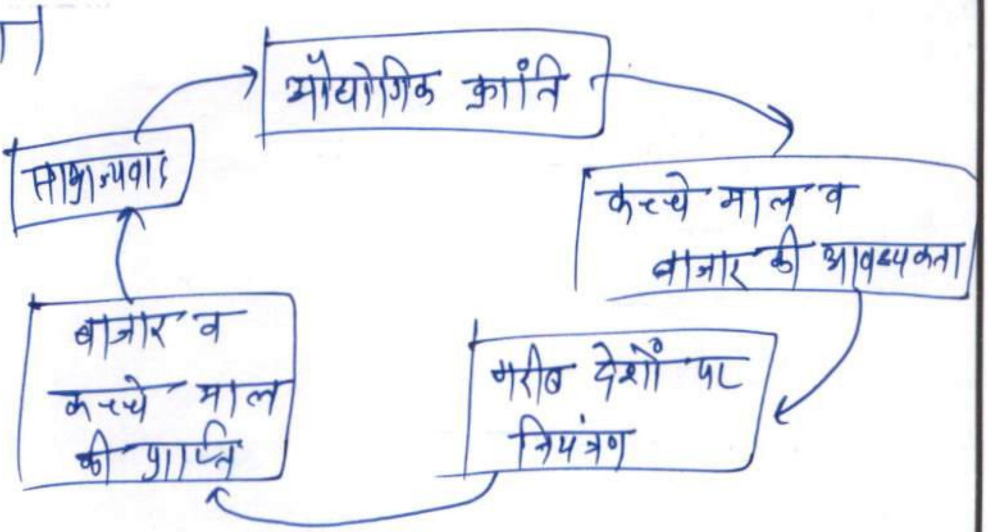

(6) अफ्रीका के खनिजों तथा प्राकृतिक संसाधनों व ईंधन की प्राप्ति के लिए साम्राज्यवादी प्रसार किया गया।

(7) औद्योगिक क्रांति के कारण ही ब्रिटेन, फ्रांस के साथ-साथ इटली, जर्मनी व जापान द्वारा भी साम्राज्यवादी विस्तार का कार्य किया।

(8) अमेरिका द्वारा नवउपनिवेशवाद के माध्यम से

इस शोषणकारी व्यवस्था को आगे बढ़ाया। इसके लिए राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र संघ का दुरुपयोग किया गया।

इस तरह औद्योगिक क्रांति व साम्राज्यवाद के मध्य प्रत्यक्ष संबंध है जिसमें अन्य कारकों के द्वारा भी भूमिका निभायी गई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The caste system in India has continued to persist by adapting itself to a variety of changing socio-economic and political conditions in the past few decades. Discuss. (250 words) 15

भारत में जाति व्यवस्था विगत कुछ दशकों में परिवर्तित होती विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप अपने आपको ढालकर विद्यमान है। चर्चा कीजिए।

जाति व्यवस्था अधिकार व कर्तव्यों के श्रेणीक्रम विभाजन पर आधारित जटिल व्यवस्था है जो सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक संबंधों को प्रभावित करती है।

परिवर्तित होती स्थितियाँ

① सामाजिक
- शहरीकरण व नगरीकरण के कारण जातीय विभाजन कमजोर हुआ।
- सामाजिक सुधार। प्रवासन।

② आर्थिक
- वैश्वीकरण के कारण नये रोजगार अवसर
- पुराने आर्थिक संबंधों में गिरावट
- आरक्षण के कारण निम्न वर्गों की सुदृढ़ होती स्थिति।

③ राजनीतिक
- जाति व राजनीति के गठजोड़ पर नियंत्रण का प्रयास।
- नवीन राजनीतिक वर्गों का उदय
- जाति के बजाय अन्य कारकों की राजनीति में बढ़ती भूमिका।
- वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना का प्रयास।

जाति व्यवस्था में परिवर्तन

① अन्तरजातीय विवाहों को बढ़ावा।
② वैश्वीकरण के कारण जातीय प्रतिबंधों में ढील।
③ जाति आधारित संगठनों का पुनः उदय।
④ राजनीति का जातीयकरण व जाति का राजनीतिकरण।
⑤ विभिन्न आरक्षण आंदोलनों के माध्यम से जातीय श्रेष्ठता को बनाये रखने का प्रयास।
⑥ खान-पान व रहन-सहन संबंधी प्रावधानों में छूट।
⑦ जातीय पंचायतों के माध्यम से जातीय प्रतिबंधों को लागू करने का प्रयास।
⑧ प्रवासन के कारण नवीन जातीय संबंधों का उदय।
⑨ प्रबल जाति की अवधारणा।

जाति व्यवस्था द्वारा प्राचीन काल से ही स्वयं में परिवर्तन किया हैं। वर्तमान में भी वैश्वीकरण के कारण जाति द्वारा स्वयं की आर्थिक व सामाजिक संरचना में परिवर्तन किया गया। जाति व व्यवसाय का संबंध कुछ कमजोर हुआ हैं। जाति का अब शहरीकरण होता जा रहा हैं तथा नये जातीय संबंधों का निर्माण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हो रहा है। इस तरह जाति व्यवस्था द्वारा इतिहास बनने से इंकार कर दिया तथा बदलती परिस्थितियों के हिसाब से स्वयं को परिवर्तित किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. It is argued by some that regionalism is a threat to national integrity while others consider it as a highly impactful tool in facilitating political participation. Discuss. **(250 words) 15**

कुछ लोगों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि क्षेत्रवाद राष्ट्रीय अखंडता के लिए एक खतरा है, जबकि अन्य लोग इसे राजनीतिक सहभागिता को सुगम बनाने में एक अति प्रभावशाली साधन मानते हैं। चर्चा कीजिए।

क्षेत्रवाद संकीर्ण सामाजिक व आर्थिक, राजनीतिक हितों पर आधारित भावना हैं जिसके तहत लोगों द्वारा क्षेत्र विशेष के हितों को वरीयता दी जाती हैं।
(द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग)

क्षेत्रवाद व राष्ट्रीय अखण्डता

① क्षेत्रवाद के कारण भूमि पुत्र की अवधारणा को बढ़ावा मिलता हैं।

② क्षेत्रवाद के कारण भारत में उत्तर-दक्षिण विभाजन तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र द्वारा स्वतंत्रता की मांग की जा रही हैं।

③ क्षेत्रवाद के कारण अन्तर राज्यीय जल विवाद व क्षेत्र विवाद (कर्नाटक- महाराष्ट्र) भी सामने आते हैं।

④ क्षेत्रवाद के कारण ही नौकरियों में स्थानीय कोटा निर्धारित किया जाता हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक एकीकरण में बाधक होता हैं।

⑤ क्षेत्रवाद के कारण ही संविधान की मूल भावना का उल्लंघन होता हैं तथा क्षेत्रवाद

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभावी हो जाता है।

⑥ क्षेत्रवाद के कारण सामाजिक एकीकरण में बाधा आती है तथा संकीर्ण हितों को बढ़ावा मिलता है।

क्षेत्रवाद व राजनीतिक सहभागिता

① क्षेत्रवाद के कारण आर्थिक विकास होता है तथा लोगों अधिकारों के लिए जागरूक होते हैं।

② क्षेत्रवाद के कारण प्रतिस्पर्धा बढ़ती है तथा इस कारण राजनीतिक सहभागिता को बढ़ावा मिलता है।

③ राज्यों द्वारा दबाव की नीति के आधार पर ही अधिक राजनीतिक अधिकारों की माँग की जाती है।

④ क्षेत्रवाद के कारण लोग हितों से परिचित होते हैं तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

⑤ क्षेत्रवाद के कारण ही दक्षिण भारत के राज्य राजनीतिक सहभागिता की दृष्टि से उत्तरी राज्यों से आगे हैं।

⑥ क्षेत्रवाद के कारण ही क्षेत्र विशेष के लिए नीति निर्माण (5वीं 6वीं अनुसूची) तथा योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1) क्षेत्रवाद सकारात्मक अर्थ में प्रतिस्पर्धा के माध्यम से राजनीतिक सहभागिता, सामाजिक व सांस्कृतिक एकीकरण तथा आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है लेकिन नकारात्मक रूप में यह राष्ट्रीय अखण्डता के लिए खतरा है।

राष्ट्रीय अखण्डता के लिए सकारात्मक क्षेत्रवाद आधारित रणनीति सहायक हो सकती है। क्षेत्रीय संस्कृति पर गर्व से राष्ट्रीय व वैश्विक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।
(गाँधीजी)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Natural gas has become an important primary energy source and its consumption is projected to increase further. Identify various usages of natural gas and give a brief account of its distribution globally.

(250 words) 15

प्राकृतिक गैस एक महत्वपूर्ण प्राथमिक ऊर्जा स्रोत बन गया है तथा इसके उपभोग में आगे और वृद्धि होने का अनुमान है। प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपयोगों की पहचान कीजिए और विश्व स्तर पर इसके वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

प्राकृतिक गैस खनन की प्रक्रिया से निकाली जाती है तथा विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से इसे घरेलू व औद्योगिक उपयोग के लिए तैयार किया जाता है।

प्राकृतिक गैस ऊर्जा का प्रमुख स्रोत बन गया है। अमेरिका, रूस द्वारा प्राकृतिक गैस के अन्वेषण का कार्य किया जा रहा है। भारत द्वारा भी तटीय क्षेत्रों व नदी बेसिनों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में प्राकृतिक गैस की खोज की है। प्रति व्यक्ति लगातार प्राकृतिक गैस की खपत बढ़ती जा रही है। प्राकृतिक गैस का प्रयोग पर्यावरण अनुकूल होने के कारण इसका अधिक प्रयोग हो रहा है।

① साथ ही इसके उपभोग में वृद्धि होने की सम्भावना है क्योंकि अन्य ऊर्जा स्रोत प्रदूषण कारी हैं जो जलवायु परिवर्तन का कारण बनता है।

② साथ ही UNFCCC व अन्य संगठनों के माध्यम से इसके प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

③ जनसंख्या वृद्धि के कारण प्राकृतिक गैस की माँग में वृद्धि होगी।

उपयोग

आर्थिक
- औद्योगिक विकास
- परिवर्तन
- रोजगार का विकास
- पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों का विकास

~~आर्थिक~~ सामाजिक
- प्रदूषण पर नियंत्रण
- महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ समावेशी तथा सतत विकास

पर्यावरणीय
↳ जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण
→ वैश्विक संसाधनों (वन आदि) के दोहन पर नियंत्रण।
→ सामाजिक - आर्थिक विकास के कारण पर्यावरणीय संरक्षण के प्रति चेतना का विकास होगा।

विश्व ऊर्जा आयोग की रिपोर्ट के अनुसार प्राकृतिक गैस विकास का मुख्य प्रेरक कारक है। तकनीकी विकास व वैश्विक सहयोग से यह सतत विकास का माध्यम भी बन सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Describe the process of rift valley formation, with special emphasis on the Great Rift Valley System. (250 words) 15

महान भ्रंश घाटी प्रणाली पर विशेष बल देते हुए, भ्रंश घाटी के निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

भ्रंश घाटी का निर्माण अपसारी प्लेट संचलन व इसके दौरान भ्रंशन की क्रिया से होता है। पूर्व अफ्रीका की महान भ्रंश घाटी भी इसका उदाहरण है।

भ्रंश घाटी का निर्माण

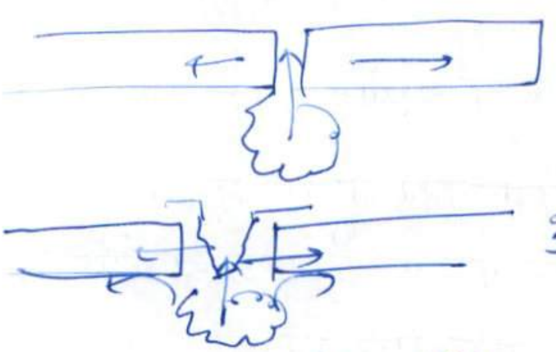

जब दो प्लेटें परस्पर दूर-दूर जाती हैं तो इस कारण आंतरिक क्षेत्र से संवहनीय धारा ऊपर की तरफ आती है। यह संवहनी धारा प्लेटों के संचलन में सहायक होती है। इस कारण प्लेटों के मध्य दूरी बढ़ जाती है तथा भ्रंशन की प्रक्रिया के कारण भ्रंश घाटी का निर्माण होता है। इस दौरान आस-पास का क्षेत्र नीचे धस जाता है तथा विभिन्न प्रकार की भ्रंश घाटियों का निर्माण होता है।

विश्व में भ्रंश घाटी का वितरण सामान्य है। भारत में नर्मदा व ताप्ती नदियों का अपवाह भ्रंश घाटी के माध्यम से ही होता है। उत्तरी अमेरिका में कैलिफोर्निया में भी भ्रंश घाटी अवस्थित है।

<u>अफ्रीकी भ्रंश घाटी</u>

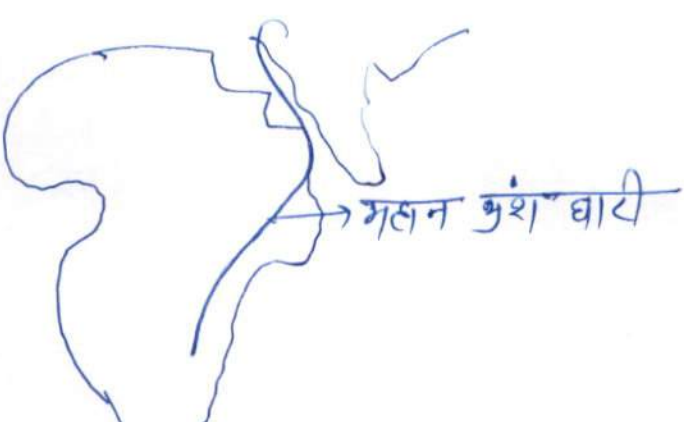

महान भ्रंश घाटी का विस्तार लेबनान, सीरिया से लेकर अफ्रीका में मोजाम्बिक के क्षेत्र तक विस्तारित है। यह भ्रंश घाटी दो प्लेटों (अफ्रीकी प्लेट व हिंद महासागरीय प्लेट) के विपरीत दिशा में संचलन के कारण निर्मित हुई है।

यह भ्रंश घाटी सीमा निर्धारण के साथ-साथ आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह भ्रंश घाटी, भ्रंश घाटी निर्माण की प्रक्रिया का आदर्श रूप है।

भ्रंश घाटी का निर्माण भ्रंशन की प्रक्रिया से होता है तथा विश्व में भ्रंश घाटियों का असमान व ~~विभिन्न~~ विविधतामूलक वितरण देखा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. India's water resources have witnessed rapid depletion due to a mix of economic, geographic, and political factors. Explain and discuss its implications. **(250 words) 15**

भारत के जल संसाधनों में विभिन्न आर्थिक, भौगोलिक और राजनीतिक कारकों के संयोजन के कारण तेजी से ह्रास देखा गया है। स्पष्ट कीजिए एवं इसके निहितार्थों की विवेचना कीजिए।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में कुछ समय में ही गम्भीर जल संकट सामने आ सकता है। अतः इसके लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है।

भारतीय जल संसाधनों में तेजी से ह्रास हो रहा है तथा इसके लिए आर्थिक, भौगोलिक व राजनीतिक कारक जिम्मेदार हैं।

आर्थिक
- → कृषि के कारण भूमिगत जल में कमी।
- → औद्योगिक अपशिष्ट के कारण जल संसाधनों का दूषित होना।
- → अनियंत्रित विकास के कारण जल संसाधन में लगातार कमी।

राजनीतिक
- → MSP के राजनीतिकरण के कारण भूमिगत जल का अतिदोहन।
- → अंतर्राज्यीय जल विवाद।
- → राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव के कारण वर्षा जल संरक्षण नहीं।

भौगोलिक
- पूर्वी व पश्चिमी घाट के कारण दक्कन के पठार में कम वर्षा
- पश्चिमी राजस्थान में कम वर्षा
- भौगोलिक कारकों के कारण नदी जल का उचित उपयोग नहीं तथा हिमनदों का पिघलना (IPCC की 5वीं रिपोर्ट)

निहितार्थ
① जल संकट के कारण राज्यों के मध्य संघर्ष बढ़ सकता है।
② आर्थिक विकास की प्रक्रिया बाधित।
③ जीरो डे (जल का न मिलना) का विस्तार
④ सामाजिक-आर्थिक विषमता में वृद्धि
⑤ सतत विकास लक्ष्य नं० - 1, 2, 6 की प्राप्ति में बाधा।
⑥ साथ ही जलवायु शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के कारण सामाजिक संघर्ष।
⑦ मध्य भारत के क्षेत्रों में गरीबी व भुखमरी में वृद्धि।
⑧ जल के बिना तो कल की भी कल्पना नहीं की जा सकती। इस कारण जल की कमी के आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक व पर्यावरणीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव सामने आयेंगे।

उपाय
- 4 R की नीति (Reuse, Recycle, Recover Reduce)
- वर्षा जल संग्रहण
- कम ~~जल~~ जल आधारित कृषि का विकास।
- घरेलू व औद्योगिक माँग को युक्तिसंगत बनाना
- वैश्विक सहयोग तथा जागरूकता।

भारतीय को आर्थिक विकास व अपना स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक सहयोग, तकनीकी विकास तथा जनजागरूकता के माध्यम से वर्षा जल का संग्रहण व जल संकट को दूर करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. How are plateaus formed? Also, briefly discuss the features of the Deccan plateau and its economic significance. **(250 words) 15**

पठार का निर्माण कैसे होता है? साथ ही, दक्कन के पठार की विशेषताओं और इसके आर्थिक महत्व की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

पृथ्वी पर विभिन्न ~~भौगोलिक~~ स्थालाकृतियाँ विद्यमान हैं जिनमें पर्वत, पठार, गर्त, ~~भ्रंश घाटी~~ व समुद्री संरचना शामिल हैं।

पठार का निर्माण

पठार का निर्माण ~~अपकेन्द्रीय प्लेट~~ अपसारी प्लेट संचलन के कारण होता है। वस्तुतः जब दो प्लेट आपस ~~से टकरा~~ दूर जाती हैं तो तनाव की क्रिया के कारण शांत दरारी प्रकार की ज्वालामुखी प्रक्रिया से पर्वतों का निर्माण होता है। प्लेट का गहराई में क्षेपण न होने पर भी पठार का निर्माण होता है।

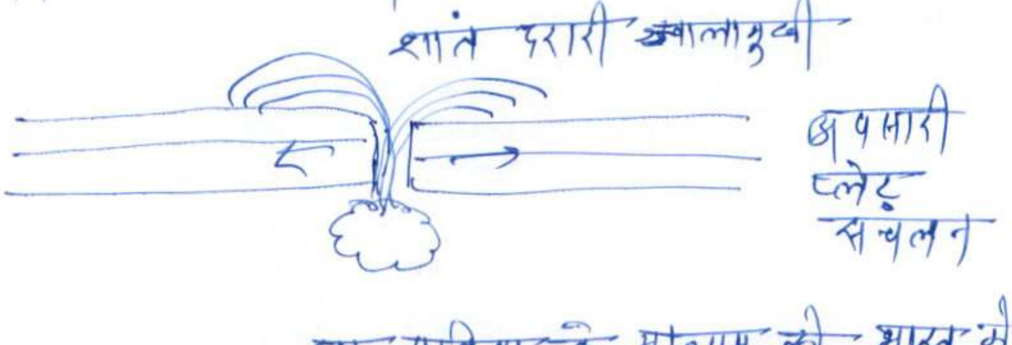

इस प्रक्रिया के माध्यम से भारत में दक्कन का पठार, पेटागोनिया का पठार तथा तिब्बत के पठार का विकास हुआ है।

दक्कन के पठार की विशेषता

① काली मिट्टी युक्त क्षेत्र।
② शांत दरारी भेदन से निर्मित।
③ कपास के लिए उपयुक्त जलवायु।
④ पूर्वी व पश्चिमी घाट के मध्य स्थित।
⑤ बसाल्ट संरचना से निर्मित।
⑥ नदियों (नर्मदा, ताप्ती) द्वारा निर्मित भ्रंश घाटी का विकास।
⑦ पर्वतीय ढाल के कारण कम वर्षा की प्राप्ति

आर्थिक महत्व

① यहाँ धात्विक तथा अधात्विक खनिज उपलब्ध हैं। कुडप्पा संरचना में अधात्विक खनिज हैं तो विंध्यन संरचना के कारण धात्विक खनिजों का विकास हुआ है।
② काली मिट्टी के कारण कपास के विकास की उचित दशा। बीटी कपास की खेती इसी क्षेत्र में अधिक की जाती है।
③ प्राकृतिक गैस, खनिज तेल का प्रमुख स्रोत
④ साथ ही पूर्वी व पश्चिमी घाट से संबंधित होने के कारण विशाल जैव विविधता।

(5) पठारी संरचना के कारण प्राकृतिक जलाशयों का विकास तथा इस कारण कृषि का विकास।
(6) दक्कन के पठार का अनुसंधान के क्षेत्र में भी उपयोग किया जाता है।

इस तरह पठार का निर्माण ज्वालामुखी की प्रक्रिया से होता है। दक्कन का पठार अपनी विशिष्टता के साथ-साथ आर्थिक महत्व के लिए भी प्रसिद्ध है।